महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

A State University-Government of Uttar Pradesh; NAAC A++ Accredited; ISO 9001:2015 & 14001:2015 Certified

पत्रांक : एम.जे.पी.रू.वि. / सम्बद्धता / 2025 / 705366 दिनांक : 07.04.2025

महत्वपूर्ण / समयबद्ध

सेवा में,

1–समस्त संकायाध्यक्ष / विभागाध्यक्ष, विश्वविद्यालय परिसर, बरेली।

2–समस्त प्राचार्य / प्राचार्या / निदेशक / प्रबन्धक / सचिव,
समस्त सम्बद्ध–राजकीय / संघटक / अनुदानित / स्ववित्तपोषित महाविद्यालय,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।

विषय– प्रदेश में लू–प्रकोप से बचाव एवं राहत के लिए हीट–वेव (लू) प्रबंधन कार्य योजना–2025 बनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषयक उप सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के संलग्न पत्रांक : 743 / सत्तर–3–2025, दिनांक 03 अप्रैल, 2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ के संलग्न पत्रांक 1567 / रा0आ0प्र0पा0 / हीटवेव / 2024–25, दिनांक 17.03.2025 (छायाप्रति संलग्न) दिये गये निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही की सूचना शासन को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्तमान वर्ष के माह मार्च से मई, 2025 के मध्य सामान्य से अधिक तापमान होने का अनुमान जारी किया गया है।

अतः कृपया उक्त के क्रम में दिये गये निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए कृत कार्यवाही की आख्या ई–मेल आई0डी0 : draffiliationmjpru@gmail.com पर उपलब्ध कराने का कष्ट करें, जिससे कि समयान्तर्गत शासन को अवगत कराया जा सके।

संलग्नक : उपर्युक्तानुसार।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. वित्त अधिकारी।
2. परीक्षा नियन्त्रक।
3. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण / चीफ प्राक्टर / क्रीड़ा सचिव / समस्त निदेशक / समस्त वार्डन।
4. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली–मुरादाबाद परिक्षेत्र, बरेली।
5. समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना।
6. समन्वयक, विश्वविद्यालय सांस्कृतिक केन्द्र।
7. कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना।
8. मीडिया प्रभारी।
9. उप कुलसचिव (प्रशासन / सम्बद्धता)
10. उप कुलसचिव (परीक्षा / गोपनीय)
11. निजी सचिव–कुलपति।
12. प्रभारी, वेवसाईट।
13. वैयक्तिक सहायक–कुलसचिव।

कुलसचिव

DR-2191
5/4/25

महत्वपूर्ण/समयबद्ध
संख्या-743/सत्तर-3-2025

प्रेषक,

एस0पी0 मिश्र,
उप सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1. निदेशक,
उच्च शिक्षा,
उ0प्र0, प्रयागराज।

2. कुलसचिव
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

उच्च शिक्षा अनुभाग-3 लखनऊ: दिनांक : 03 अप्रैल, 2025

विषयः प्रदेश में लू-प्रकोप से बचाव एवं राहत के लिए हीट-वेव (लू) प्रबंधन कार्य-योजना-2025 बनाये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र संख्या- 1567/रा0आ0प्र0प्रा0/हीटवेव/2024-25, दिनांक 17.03.2025 (छाया प्रति संलग्न), जो प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, समस्त मण्डलायुक्त/समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0 को सम्बोधित है, का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- उक्त संदर्भित पत्र में यह अवगत कराते हुए कि भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्तमान वर्ष के माह मार्च से मई, 2025 के मध्य सामान्य से अधिक तापमान होने का अनुमान जारी किया गया है। राज्य एवं जनपद स्तर पर लू से बचाव हेतु शमन तैयारी और प्रतिक्रिया हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में विभागीय एवं जनपद स्तरीय कार्य योजना तैयार/अद्यतन कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने तथा हीटवेव कार्य योजना की प्रति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा हीटवेव से बचाव एवं शमन हेतु की जा रही कार्यवाही की पाक्षिक रिपोर्ट प्राधिकरण की ई-मेल (upsdma@gmail.com) पर प्रेषित करने हेतु संबंधित को निर्देशित करने की अपेक्षा की गयी है।

3- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रश्नगत प्रकरण में की गयी अपेक्षानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुये कृत कार्यवाही की सूचना शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संलग्नक:यथोक्त।

भवदीय
(एस0पी0 मिश्र)

Signed by Surya Prakash Mishra
Date: 02-04-2025 19:03:44

D.R. (Affilia.)
03/04/25
कुलसचिव

Sh. Biswajit
04.04.25

संख्या 742 /राहत-3-2025

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण

बी–1 ब्लॉक, प्रथम तल, पिकप भवन, गोमतीनगर, लखनऊ–226010

संख्या– 1567/रा0आ0प्र0प्रा0/हीटवेव/2024–25 दिनांक: 17 मार्च, 2025

प्रेषक,

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी,
उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

संख्या 725 /PSHED/2025
दिनांक 21/3/2025

सेवा में,

अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव,

1. चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह, कृषि, पंचायतीराज, नगर विकास, ग्राम्य विकास, श्रम, वन, पर्यावरण, परिवहन, पर्यटन, आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स, पशुपालन, सूचना एवं जन सम्पर्क, ऊर्जा, महिला एवं बाल विकास, उच्च शिक्षा, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग, सिचाई एवं जल संसाधन विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, अग्निशमन एवं आपातकालीन विभाग, जल निगम विभाग, भारतीय रेलवे, लखनऊ मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मत्स्य विभाग, रेशम विभाग, उ0प्र0 शासन।

2. समस्त मण्डलायुक्त
उत्तर प्रदेश।

3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष,
जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, समस्त जनपद, उ0प्र0।

विषय–प्रदेश मे लू–प्रकोप से बचाव एवं राहत के लिए हीट–वेव (लू) प्रबंधन कार्य–योजना–2025 बनाये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

कृपया संयुक्त सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.), गृह मंत्रालय भारत सरकार के पत्र संख्या F.No.1-64/2025-Admn, दिनांक 06.03.2025 (छायाप्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से वर्ष–2025 में प्रदेश में प्रभावी हीटवेव न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित किये जाने की अपेक्षा की गयी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.), द्वारा वर्तमान वर्ष के माह मार्च से मई, 2025 के मध्य सामान्य से अधिक तापमान होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है, तदक्रम में लू–से बचाव हेतु शमन, तैयारी और प्रतिक्रिया के उचित उपाय किये जाने हेतु दिये गये निर्देश के क्रम में राज्य स्तर पर की जाने वाली गतिविधियां निम्नानुसार हैं:–

- एनडीएमए गाईडलाइन–2019 के अनुसार हीट वेव ऐक्शन प्लान (एचएपी) का अपडेशन करना;
- हीट वेव एक्शन प्लान के क्रियान्वयन हेतु उसकी प्रति समस्त जिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों को उपलब्ध कराना;
- हीट वेव प्रबंधन में सम्मिलित समस्त हितधारक विभागों और गैर–सरकारी संगठनों, आईएमडी के स्थानीय कार्यालयों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों के साथ समन्वय और एसएमएस, व्हाट्सएप और सीएपी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके हीट वेव चेतावनियों का प्रसारण करना;

25.03.2025

- राज्य सरकार द्वारा प्रारंभिक चेतावनी संप्रेषित करने और एचएपी के कार्यान्वयन के समन्वय के लिए प्रत्येक स्तर (राज्य/जनपद/ब्लाक स्तर) पर एक नोडल अधिकारी नामित करना;
- राज्य सरकार द्वारा संबंधित विभागों/जनपदों/ब्लाकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हीट वेव की स्थिति की समीक्षा और निगरानी करना;
- सामूहिक कार्यक्रमों की अनुमति तभी दिया जाना जब संबंधित जिलों/शहरों के लिए गंभीर गर्मी की चेतावनी जारी नहीं की गई हो;
- यातायात पुलिस कर्मियों के लिए छाया और पेय जल की व्यवस्था सुनिश्चित करना;
- हीट वेव प्रबंधन हेतु जिला प्रशासन के साथ नियमित रूप से समन्वय करना;
- प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर लू से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था करना;
- राज्य स्तरीय संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली हीट वेव प्रबंधन संबंधी अन्य गतिविधियों हेतु एनडीएमए एडवाइजरी–2024 अनुपालनार्थ संलग्न है।

प्रदेश में हीट वेव (लू–प्रकोप) प्रभावी शमन, तैयारी एवं प्रतिक्रिया हेतु जनपद स्तर पर की जाने वाली कार्यवाहियों निम्नानुसार हैं:–

- राज्य हीट वेव कार्ययोजना के अनुसार जनपदीय हीट वेव कार्य योजना बनाना/अद्यतन करना और क्रियान्वित करना;
- जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करना;
- लू–प्रकोप से बचाव हेतु क्या करें और क्या न करें के विषय में जनता को सूचित एवं शिक्षित करने के लिए जागरूकता अभियान संचालित करना;
- लू–प्रकोप संबंधित बीमारियों के जोखिम और खतरों के संबंध में नियमित प्रेस कान्फ्रेन्स का आयोजन करना;
- लोक भवनों, मॉल, धार्मिक स्थलों इत्यादि में कूलिंग सेन्टर क्रियाशील करना;
- लू–प्रकोप की स्थिति में गैर सरकारी संगठनो/सामुदायिक समूहों और व्यक्तियों से सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल एवं छाछ की व्यवस्था किये जाने का आग्रह करना;
- बिजली वितरण/ट्रांसमिशन कंपनियों से सभी अस्पतालों और पीएचसी/सीएचसी/यूएचसी जैसे केन्द्रों पर बिजली आपूर्ति बनाए रखने को प्राथमिकता देने का आग्रह करना;
- स्थानीय स्तर पर जब भी आवश्यक हो स्कूलों, कॉलेजों, संस्थानों आदि का परिवर्तित समय लागू करना;
- स्थानीय स्तर पर हीटवेव प्रबंधन हेतु अन्य आवश्यक उपाय करना।

उक्त के क्रम हीट वेव रेडियो जिंगल Creative प्राधिकरण की वेबसाइट (लिंक https://upsdma.up.nic.in/heatwave.htm) पर उपलब्ध है। उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश हीट वेव कार्य योजना 2025 कार्य योजना तैयार कर लिया गया है। इस कार्य योजना में हीट वेव शमन, तैयारी, जनजागरूकता सामग्री, पूर्व चेतावनी प्रसार, प्रतिक्रिया, उपचार विधि इत्यादि के साथ–साथ समस्त संबंधित विभागों /प्रभागों/संस्थाओं की भूमिका एवं दायित्व का उल्लेख किया

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण

बी–1 ब्लॉक, प्रथम तल, पिकप भवन, गोमतीनगर, लखनऊ–226010

गया है। तदनुसार प्रदेश में हीट वेव प्रबंधन हेतु विभागीय/जनपद स्तरीय कार्य योजना बनाना और उसका क्रियान्वित किया जाना अपेक्षित है। हीट वेव (लू) से बचाव संबंधी संलग्न आई०ई०सी० सामग्री (पोस्टर/पैम्फलेट) प्राधिकरण की वेबसाइट (लिंक https://upsdma.up.nic.in/heatwave.htm) पर भी उपलब्ध हैं और प्राधिकरण द्वारा निर्मित लू से बचें और बचायें नामक रोचक कार्टून फिल्म प्राधिकरण की वेबसाइट एवं यूट्यूब (लिंक https://www.youtube.com/watch?v पर उपलब्ध है जिसका उपयोग व्यापक जनजागरूकता हेतु किया जा सकता है।

अतः इस संबंध में अनुरोध है कि उपरोक्तानुसार हीट वेव से बचाव हेतु विभागीय एवं जनपद स्तरीय कार्य योजना तैयार/अद्यतन कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने तथा हीटवेव कार्य योजना की प्रति एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा हीटवेव से बचाव एवं शमन हेतु की जा रही कार्यवाही की पाक्षिक रिपोर्ट प्राधिकरण की ई–मेल (upsdma@gmail.com) पर प्रेषित करने हेतु संबंधित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोक्त।

भवदीय,

(राम केवल)
अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. पुलिस महानिदेशक,उ.प्र.।
3. महानिदेशक, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, उ0प्र0।
4. सचिव, राजस्व एवं राहत आयुक्त महोदय को सूचनार्थ प्रेशित।
5. समस्त नगर आयुक्त, उ.प्र.को इस आशय से प्रेषित कि कृपया सम्बंधित नगर की सिटी हीट कार्ययोजना तैयार कराकर उसका क्रियान्वयन कराने का कष्ट करें।
6. निजी सहायक, मा0 उपाध्यक्ष, उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण।
7. गार्ड फाइल।

(राम केवल)
अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी।

मृणालिनी श्रीवास्तव, भारतीय पुलिस सेवा
निदेशक
Mrinalini Shrivastava, IPS
Director

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
एन.डी.एम.ए. भवन
ए-1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110 029
National Disaster Management Authority
Ministry of Home Affairs Government of India
NDMA Bhawan
A-1, Safdarjung Enclave, New Delhi - 110029
दूरभाष / Tel. : +9111 26701709
ई-मेल / E-mail : director-g20@ndma.gov.in

F.No.1-64/2025-Admn

Dated 6th March, 2025

Sir/Madam,

As you are aware, the frequency and intensity of extreme heat events continue to rise due to climate change. Vulnerable populations, which are disproportionately affected by the heatwaves, face significant health risks and socio-economic challenges. This issue delves into the pressing need for proactive measures to safeguard vulnerable communities from impacts of extreme heat.

2. It is in this context NDMA had recently organized an International Workshop on Heatwave 2025, "Advancing City-Level Heat Action Plans: Multi-Sectoral Adaptation for Creating Resilient Communities" on 13-14 Feb. 2025. NDMA will also be conducting periodic review meetings with all the heatwave prone states and will send Heatwave Advisories, as and when required depending upon IMD warnings during summer season of 2025.

3. It is further to inform that heat wave preparedness is being monitored at the very Highest Level in the Govt of India including PMO, CABSEC and MHA.

4. You are requested to take all the preparedness measures including preparing Heat Action Plans in accordance with the detailed Guidelines issued by NDMA in 2019 available on the web-site link www.ndma.gov.in. Your personal attention in the matter is kindly requested to have effective Heat Wave management system in your respective State/Union Territory

5. For better heatwave preparedness in 2025 to mitigate the ill effects of the ensuing Heatwaves, you are further requested to furnish the following information to policyplan@ndma.gov.in and ndmabpyadav@gmail.com latest by 15 March 2025:

i. The status of preparation and updating of HAPs in respect of your state for the heatwave season 2025
ii. The total number of districts and cities for which HAPs has been prepared
iii. Contacts details (Name, Designation, Email ID, Mobile Number) of Nodal Heat Officer of your State.
iv. Notification for declaring Heatwave as "State specific local disaster"
v. Summary of preparedness measures for heatwave season 2025.

Thanking you,

Yours sincerely,

(Mrinalini Shrivastava)

To

i. Additional chief Secretary /Principal Secretary (DM/Revenue) / Relief Commissioner of the Heat wave prone States/UTs (as per list attached)

ii. VC/MD/ED/CEO of SDMA's of the Heat Wave prone States /UTs. (as per list attached)

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2025

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
(एस. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences
(MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई) के दौरान ऋतुनिष्ठ तापमान और मार्च के दौरान मासिक वर्षा और तापमान का आउटलुक : 2025

मुख्य बातें

- आगामी गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई (MAM)) के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, केवल प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी भागों और पूर्वोत्तर भारत के इक्का-दुक्का इलाकों को छोड़कर जहाँ सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।
- ऋतु (मार्च, अप्रैल, मई/MAM) के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, केवल प्रायद्वीपीय भारत के कुछ इक्का-दुक्का दक्षिणी क्षेत्रों को छोड़कर जहाँ सामान्य न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।
- मार्च 2025 के लिए मासिक अधिकतम तापमान भारत के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, केवल प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिणी भागों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।
- मार्च 2025 के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक मासिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, केवल उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ भागों को छोड़कर जहाँ सामान्य न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।
- मार्च से मई 2025 ऋतु के दौरान देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक उष्ण लहर/हीटवेव वाले दिन रहने की संभावना है सिवाय पूर्वोत्तर भारत, सुदूर उत्तर भारत और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी भागों को छोड़कर।
- मार्च 2025 के दौरान मध्य भारत के अधिकांश भागों और दक्षिण प्रायद्वीप के समीपवर्ती उत्तरी भागों तथा उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक उष्ण लहर/हीटवेव वाले दिन रहने की संभावना है।
- मार्च 2025 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत/एलपीए का 83-117%) रहने की संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत के कुछ भागों और मध्य भारत के दक्षिण के पड़ोसी क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, जबकि देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है।

गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई) के दौरान ऋतुनिष्ठ तापमान और मार्च 2025 के दौरान मासिक वर्षा और तापमान के लिए आउटलुक

1. पृष्ठभूमि

वर्ष 2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) गर्म और ठंडे मौसम की दोनों ऋतुओं के लिए देश भर में तापमान के लिए ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान आउटलुक जारी कर रहा है। IMD पूर्वानुमान मॉडल के कौशल को बेहतर बनाने के लिए भी लगातार काम करता है। वर्तमान रणनीति नव विकसित मल्टी-मॉडल एनसेंबल (एमएमई/MME) आधारित पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। MME दृष्टिकोण IMD/MoES मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस/MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (सीजीसीएम/CGCM) का उपयोग करता है। IMD ने अब आगामी गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई 2025) और मार्च 2025 के लिए देश भर में ऋतुनिष्ठ और मासिक तापमान पूर्वानुमान आउटलुक तैयार किया है। उन्हें क्रमशः अनुभाग 2(ए) और 2(बी) में नीचे प्रस्तुत किया गया है।

किसी स्थान पर हीट वेव का मतलब है उस स्थान पर अत्यधिक गर्म मौसम (कुछ सीमा तापमान मूल्य से ऊपर) की एक लंबी अवधि। देश भर में गर्म मौसम की ऋतु (MAM) और मार्च 2025 के लिए हीटवेव का पूर्वानुमान अनुभाग 3 में प्रस्तुत किया गया है।

मार्च 2025 के लिए वर्षा और तापमान का मासिक आउटलुक अनुभाग 4 में प्रस्तुत किया गया है।

2. (ए) मार्च से मई (एमएएम/MAM) 2025 के लिए ऋतुनिष्ठ तापमान का पूर्वानुमान

चित्र 1ए और चित्र 1बी मार्च से मई (एमएएम) 2025 सीजन के लिए क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान दिखाते हैं। अधिकतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र 1ए) इंगित करता है कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी भागों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इक्का-दुक्का हिस्सों को छोड़कर जहां सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान के लिए संभाव्यता पूर्वानुमान (चित्र 1बी) इंगित करता है कि ऋतु (एमएएम) के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, सिवाय प्रायद्वीपीय भारत के कुछ इक्का-दुक्का दक्षिणी क्षेत्रों को छोड़कर जहां सामान्य न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।

2. (बी) मार्च 2025 के लिए मासिक तापमान आउटलुक

चित्र 2ए और चित्र 2बी मार्च 2025 के लिए क्रमशः अधिकतम और न्यूनतम तापमान की पूर्वानुमान संभावनाओं को दर्शाते हैं। मार्च 2025 के दौरान, भारत के अधिकांश भागों में मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, केवल प्रायद्वीपीय भारत के कुछ दक्षिणी भागों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से नीचे अधिकतम तापमान रहने की संभावना है (चित्र 2ए)।

मार्च 2025 के दौरान, देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक मासिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है, केवल उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के कुछ भागों को छोड़कर जहाँ सामान्य न्यूनतम तापमान रहने की सबसे अधिक संभावना है (चित्र 2बी)।

3. गर्म मौसम की ऋतु (मार्च से मई) और मार्च 2025 के महीने के लिए उष्ण लहर / हीट वेव का आउटलुक

मार्च से मई 2025 के लिए देश में उष्ण लहर/हीट वेव दिनों की संख्या के लिए विसंगति (सामान्य से विचलन) पूर्वानुमान चित्र 3ए में दिखाया गया है। मार्च से मई 2025 सीज़न के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में हीट वेव दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है सिवाय पूर्वोत्तर भारत, सुदूर उत्तर भारत और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणी भागों को छोड़कर ।

मार्च 2025 के लिए देश में उष्ण लहर/हीट वेव दिनों की संख्या के लिए विसंगति पूर्वानुमान चित्र 3बी में दिखाया गया है। मार्च, 2025 के दौरान, मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों और दक्षिण प्रायद्वीप के आस-पास के उत्तरी हिस्सों, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई क्षेत्रों और उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से अधिक उष्ण लहर/हीट वेव दिनों की संभावना है।

उष्ण लहर/हीट वेव बुजुर्गों, बच्चों और पहले से मौजूद स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों सहित कमजोर आबादी के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करती हैं, जिससे हीटस्ट्रोक, निर्जलीकरण और बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ता है। कूलिंग सेंटर उपलब्ध कराने और समय पर गर्मी संबंधी सलाह जारी करने में प्राधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनता की सुविधा के लिए, IMD विस्तृत हीटवेव पूर्वानुमान, जोखिम आकलन और स्थान-विशिष्ट अलर्ट सहित व्यापक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली प्रदान करता है। ये चेतावनियाँ IMD वेबसाइट, समर्पित मोबाइल एप्लिकेशन और सार्वजनिक प्रसारण चैनलों के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हैं। नागरिकों को इन संसाधनों का उपयोग व्यक्तिगत सावधानी बरतने के लिए करने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित किया जाता है, जैसे कि हाइड्रेटेड रहना, चरम सूर्य घंटों से बचना और ठंडे वातावरण की तलाश करना, जिससे हीटवेव के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को कम किया जा सके।

4. मार्च 2025 के लिए मासिक वर्षा का आउटलुक

मार्च 2025 के दौरान देश भर में औसतन बारिश सामान्य (एलपीए का 83-117%) रहने की संभावना है। 1971 से 2020 तक के आंकड़ों के आधार पर मार्च के दौरान देश भर में बारिश का दीर्घावधि औसत/एलपीए लगभग 29.9 मिमी है।

मार्च 2025 के लिए देश भर में टर्साइल वर्षा श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से नीचे) के स्थानिक वितरण का संभाव्य पूर्वानुमान चित्र 4 में दिखाया गया है। पूर्वानुमान बताता है कि प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के दक्षिण के पड़ोसी क्षेत्रों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, जबकि देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से नीचे वर्षा होने की संभावना है। मानचित्र में बिंदीदार क्षेत्रों में जलवायु विज्ञान की दृष्टि से मार्च के दौरान बहुत कम वर्षा होती है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं को दर्शाते हैं।

5. प्रशांत और हिंद महासागर पर समुद्र सतह तापमान (एसएसटी/SST) स्थितियां

वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में कमजोर ला नीना स्थितियां व्याप्त हैं, और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्सों में समुद्र की सतह का तापमान (एसएसटी) सामान्य से ठंडा है। नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि आगामी सीज़न के दौरान ला नीना स्थितियां कमजोर होने की संभावना है और उसके बाद तटस्थ ईएनएसओ/ENSO स्थितियों में बदल जाएगी।

वर्तमान में, हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/IOD) स्थितियां बनी हुई हैं, और नवीनतम एमएमसीएफएस/MMCFS पूर्वानुमान आगामी सीज़न के दौरान इन तटस्थ आईओडी/IOD स्थितियों के जारी रहने का संकेत देता है।

6. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान सेवाएँ

IMD देश भर में वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान के विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (अगले चार सप्ताह के लिए 7-दिवसीय औसत पूर्वानुमान) भी प्रदान करता है, जिसे हर सप्ताह वृहस्पतिवार को अपडेट किया जाता है। यह IMD में वर्तमान में संचालित मल्टी-मॉडल एनसेम्बल डायनेमिकल विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान IMD वेबसाइट https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php के माध्यम से उपलब्ध हैं।

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के बाद IMD द्वारा प्रतिदिन जारी किया जाने वाला लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान होता है। पूर्वानुमान IMD वेबसाइट https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php के माध्यम से उपलब्ध हैं

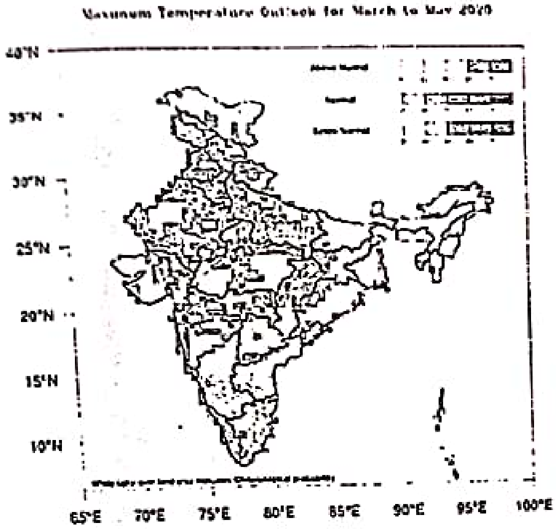

चित्र 1ए. मार्च से मई 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।

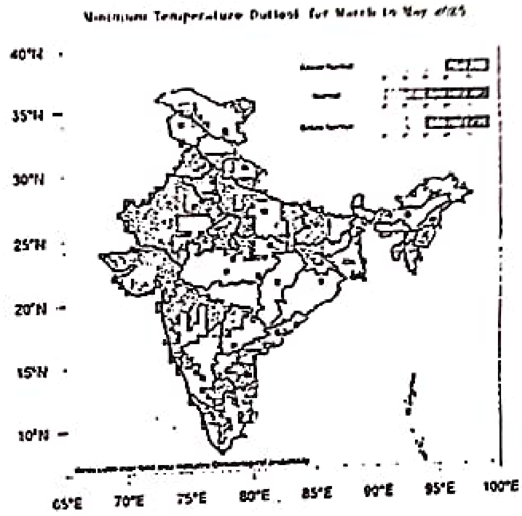

चित्र 1बी. मार्च से मई 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभाव्य पूर्वानुमान।

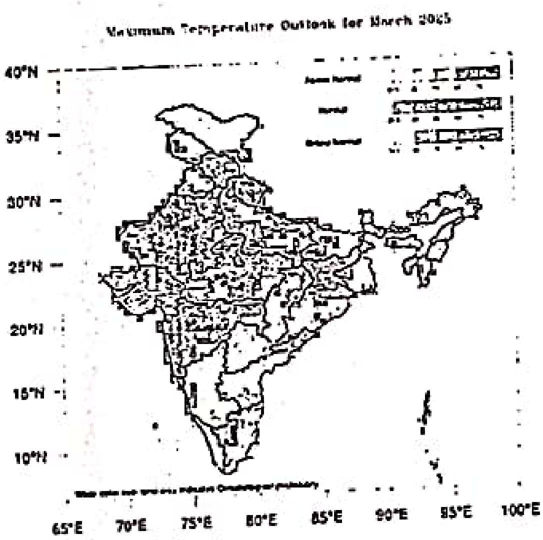

चित्र 2ए. मार्च 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।.

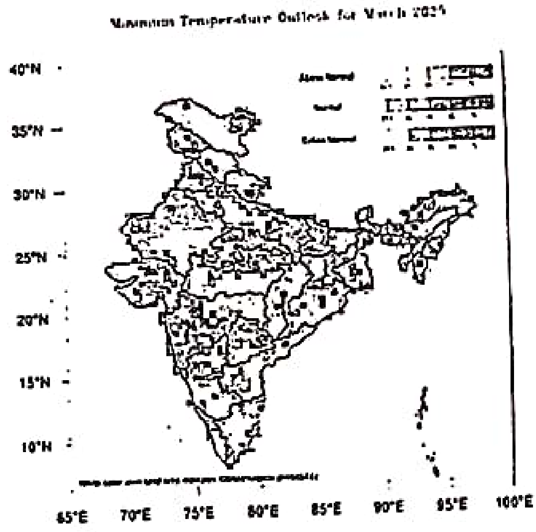

चित्र 2बी. मार्च 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

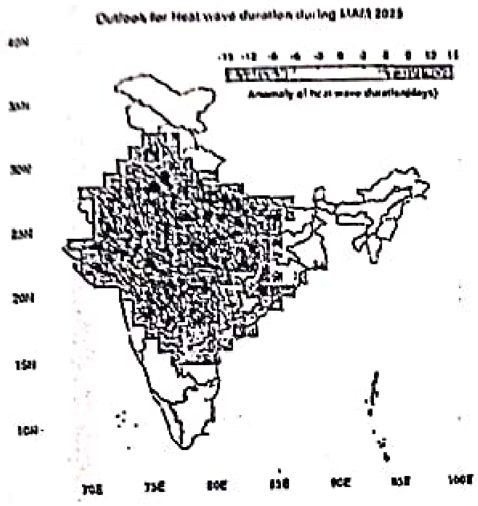

चित्र 3ए. मार्च से मई 2025 के सीज़न के लिए हीटवेव घटनाओं का संभावित पूर्वानुमान।

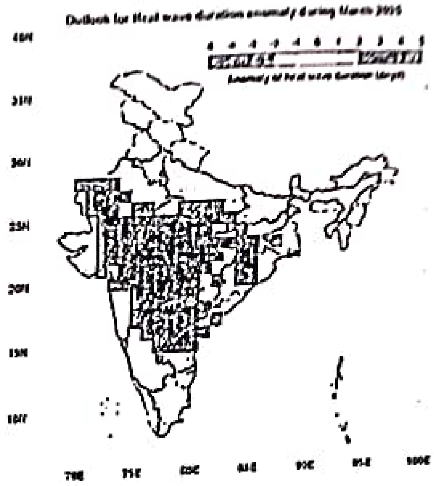

चित्र 3बी. मार्च 2025 के लिए हीटवेव घटनाओं का संभावित पूर्वानुमान।

probability rainfall forecast for 2025 March

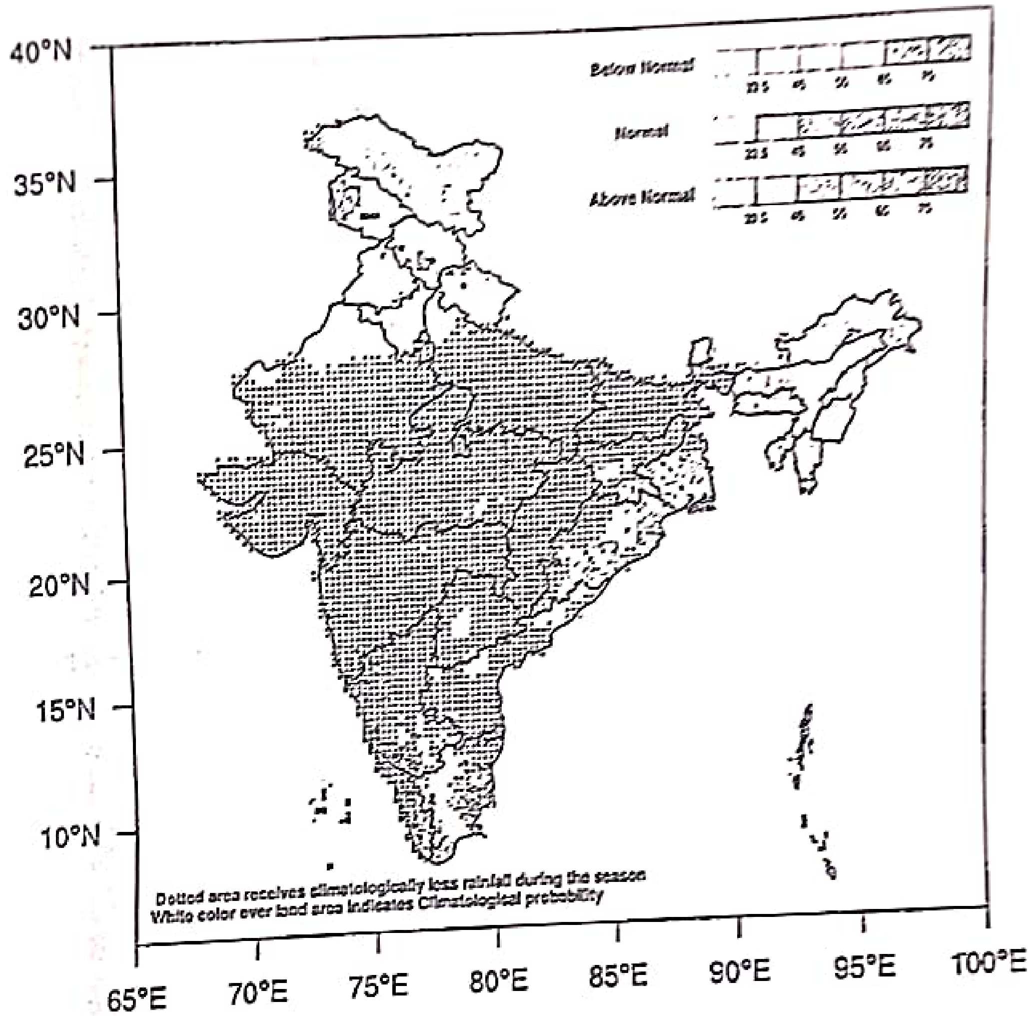

चित्र 4. मार्च 2025 के दौरान भारत में होने वाली वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों• (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्यता पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। मानचित्र में दिखाए गए बिंदीदार क्षेत्र में जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा होती है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफ़ेद छायांकित क्षेत्र जलवायु विज्ञान की संभावनाओं को दर्शाते हैं। (•टर्साइल श्रेणियों की जलवायु विज्ञान की समान संभावनाएँ हैं, प्रत्येक की 33.33% है)।